Q

791925

कुल पृष्ठ संख्या 32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

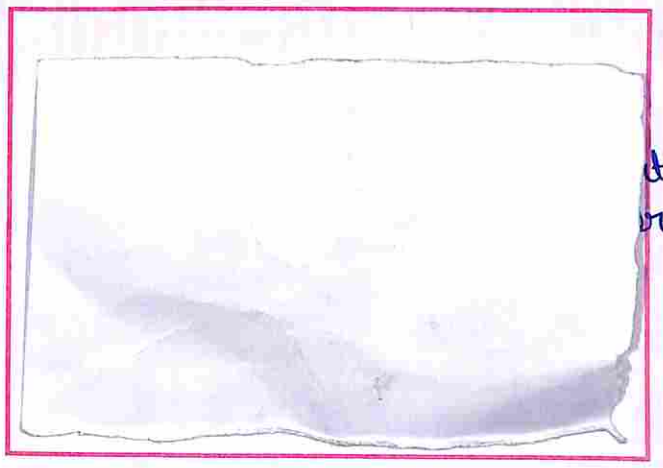

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय Sanskrit SAH.

परीक्षा का दिन Wednesday

दिनांक 09-04-2025

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	10	19	
2	4	20	
3	10	21	
4	1	22	
5	2	23	
6	½	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	4	27	
10	8	28	
11	5	29	
12	5	30	
13	6	31	
14	3	योग	79½
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	4	अंकों में	शब्दों में
17	5	80	अस्सी
18	5		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 20869

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड – 'अ'

Q:1
Ans.

(i) (ब) शिवराजविजयत:

(ii) (अ) कर्माणि

(iii) (स) चातक:

(iv) (द) भूषणानि

(v) (अ) विकल्प:

(vi) (स) ओडिशा सर्वकारस्य

(vii) (ब) षड्विधम्

(viii) (अ) वसन्ततिलका

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ix) (द) पुरीषम्

(x) (स) अतिशयोक्ति:

10

Q:2
Ans.

(i) श्रीनायार: पत्रमेकं पठन् आसीत् ।

(ii) स: जीवितुं अधिकारं दत्तवान् ।

(iii) बालकस्य पटुता प्रशंसनीया ।

(iv) सदा स्वच्छं जलं पेयम् ।

4

Q:3
Ans.

(i) भवभूते: सर्वोत्कृष्टा रचना उत्तररामचरितम् ।

BSER-180/2025

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(ii)	श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादश (18) अध्यायाः सन्ति।
	(iii)	महाकवि बाणभट्टस्य कथाकाव्यं कादम्बरी।
	(iv)	महाभाष्यं पतञ्जलि रचितम्।
	(v)	वेदस्य सारः 'उपनिषद्' समाहितो वर्तते।
	(vi)	'जयपुरविलासः' - 'राजवैद्यकृष्णरामभट्ट'।
	(vii)	गोविन्द वैभवम् - भट्टमथुरानाथशास्त्री।
	(viii)	'यात्राविलास' - 'पं. नवलकिशोरशास्त्रीकांकर'।
	(ix)	महावीर सौरभवम्।
	(x)	'मोहभङ्गम' - 'डॉ. रसिकबिहारी जोशी'।
10		

BSER-180/2025

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q:4
Ans. निः श्वासान्ध इवादर्शश्चन्द्रमा न प्रकाशते।

अलंकार – उपमा

(1)

लक्षण – साधर्म्यमउपमाभेदे।

खण्डः – 'ब'

Q:5
Ans. (क) उपजातिः

लक्षण –

अनन्तरोदिरितलक्ष्मभाजौ पादौयदिभावुपजातयस्ता।
इत्थं किलान्यासरवयाधि स्वयपिजातिष्विदनाम: मिश्रितासु वदन्ति ॥

(2)

उदा. –

अस्त्युत्तरस्याम दिशि देवात्मा,
हिमालयो नाम: नगाधिराजः।
पूर्वापरौ तोयनिधिवगाह
स्थित पृथिव्या इव मानदण्डः ॥

BSER-180/2025
Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q:6
Ans. (क) हिमालयो नाम नगाधिराजः ।

I S I S S I I S I S S
जगण तगण जगण

12

छन्द - उपजाति छन्द

Q:7
Ans.

सप्रसंग -
प्रस्तुत श्लोकांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'शाश्वती' भाग -2 के द्वितीयाध्याय रघुकौत्ससंवादः शीर्षक पाठ से उद्घृत है। इसमें बताया गया है कि राजा रघु से कौत्स चौदह ~~करोड़~~ विद्याओं का ज्ञान किया जिससे वह ~~अन~~ उनका मूल्य देना चहाता है।

भावार्थ -
इसमें बताया गया है कि कौत्स ने राजा रघु से शिक्षा प्राप्त की और राजा रघु से अपनी विद्या का मूल्य पुछा तो उन्होंने चौदह करोड़ मुद्रा मांगी ।

2

BSER-180/2025
Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	Q:8 Ans.	अन्वयं –
		बुद्धि युक्तो जहातीह उभे सुकृत दुष्कृते। तस्माद्योगाय कौशलम् कर्मसु योग: युज्यस्व ॥
2		
	Q:9 Ans.	(क) अनेजदेकम्
		सन्धिविच्छेदं – अनेजत् + एकम
		सूत्र – झलां झशोन्ते ।
		(ख) नरेन्द्र: –
4		सन्धिविच्छेदं – नर + इन्द्र:
		सूत्र – आद्गुण । आदेड्गुण

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q:10
Ans. (क) भारतवर्षमिदमस्माकं जन्मभूमिः ।

(ख)
(i) अद्यत्वे संसारे सर्वे देशाः स्वदेशस्योन्नतिसाधने संलग्नाः सन्ति ।

(ii) अधुना सर्वास्मिन् संसारे भारतवर्षस्य आदरो भवति ।

(ग)
(i) वयं भारतीयाः स्वाधीनाः स्मः ।

क्रियापदं स्मः ।

(ii) कर्तृपदं – मनुष्यः ।

(घ) शीर्षक – अस्माकं जन्मभूमिः ।

8

BSER-18/2025

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - 'स'

Q:11
Ans:

(क) तावदकस्मादुत्थितो महान् झञ्झावातः एकः सायं समयप्रयुक्तः स्वभाववृत्तोऽन्धकारः।

(ख) अन्धकारः द्विगुणितो मेघमालाभिः।

(ग)

(i) (स) सरलः

(ii) (अ) पन्थाः

5

Q:12
Ans.

(क) सहसा क्रियाम न विदधीत।

(ख) परमापदां पदं अविवेकः।

BSER 180/2025

Previous PathShala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ग)

(i) (ब) सम्पद:

(ii) (अ) गुणलुब्धा:

5

Q:13
Ans.

(क) देशबन्धश्चित्तस्य धारणा ।

(ख) अहिंसासत्यास्तेय ब्रह्मचर्यपरिग्रहा: यमा: ।

(ग)

(i) (स) आसनम

(ii) (द) बोधयामि

5

Q:14
Ans.

(क) तस्य केन सह कश्चित सम्पर्क: नास्ति ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ख) कस्य मानसं न रमते ।

(ग) कति गुणाः पुरुषं दीपयन्ति ।

(घ) त्वं किं कुरु ।

3 (ङ) कस्या मृत्युं तरति ।

Q.15
Ans.

(क) श्लेषः –

लक्षणम् – श्लिष्टैः पदैरनेकार्थाभिधाने श्लेष इष्यते

उदा. – उच्छलद् ! भूरि कीलाल शुशुभे वाहिनीप

3

HSER/180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - 'द'

Q.16
Ans.

(क) शिष्य: गुरुं प्रति नमस्करोति ।

विभक्ति - द्वितीय

कारण - अभितपरितसमयनिकषा हा धिक् प्रति योगे ।

(ख) पत्नी स्वपतिना सह आपणं गतवती ।

विभक्ति - तृतीय

कारण - सहयुक्तेप्रधान । सह प्रति योगे

(ग) ग्रामम उभयत: वृक्षा: सन्ति ।

विभक्ति - दितिय

कारण - अभित: परित: समयनिकषा हा धिक् प्रतियोगे ।

BSER-18U/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(घ) अलं बिवादेन

विभक्ति - तृतीया

कारण - अलं योगे

(ङ) जनकाय नमः ।

विभक्ति - चतुर्थी

कारण - नमस्वस्तिस्वाहास्वधावषट् अलं योगाच्च

(च) धनात् जातं गुन्तरम् ।

विभक्ति - पञ्चमी

~~कारण~~ -

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q:17
Ans: (ख) महाकविः कालिदासः ।

भारते एव न अपितु सम्पूर्ण विश्वे महाकविः कालिदासः श्रेष्ठम कवि अस्ति । महाकविः कालिदासः अद्यैव लघुमनिष्कस्य कवि अस्ति । महाकविः कालिदासः संस्कृते सप्तकृत्य सन्ति तेषां नामान्यापि रघुवंशम कुमारसंभवम च द्वै महाकाव्य, ऋतुसंहार मेघदूतं च द्वै गीतिकाव्य, त्रीणि नाटकानि सन्ति - अभिज्ञानशाकुन्तलम, मालविकाग्निमित्रम, विक्रमोर्वशियम महाकविः कालिदास सर्वोच्च कवि अस्ति ।

Q:18
Ans:

(क) वयं पठित्वा ~~क्रीड़न्ति~~ क्रीडामः ।

(ख) नदिषु गङ्गा पवित्रतमा ~~अस्ति~~ आस्ति ।

(ग) विष्णु वैकुण्ठं अधिवसति ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(घ)	ग्रामम अभितः वनानि सन्ति ।
	(ङ)	विद्यया यशः भवति ।
	(च)	त्वं तत्र गच्छ ।
	(छ)	ईश्वरः रक्षति ।

BSER 180/2025

Previous Pathshala